International Journal of Multidisciplinary Education and Research
www.educationjournal.in
ISSN: 2455-4588
Received: 01-09-2022, Accepted: 17-09-2022, Published: 04-10-2022
Volume 7, Issue 4, 2022, Page No. 1-3

उच्च एवं मध्य आय वर्ग के बालक–बालिकाओं के शैक्षिक आकांक्षा स्तर का अध्ययन

Ashok Kumar
Assistant Professor, Vivekananda College of Education, Johlaka Sohna, Gurugram, Haryana, India

सारांश
इस शोध पत्र में उच्च एवं मध्य आय वर्ग के बालक–बालिकाओं के शैक्षिक आकांक्षा स्तर का अध्ययन का अध्ययन करने हेतु शून्य परिकल्पना "उच्च एवं मध्य आय वर्ग के बालक–बालिकाओं के शैक्षिक आकांक्षा स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है" का निर्माण किया । प्रदत्त संकलन हेतु डॉ. वी.पी. शर्मा एवं डॉ. अनुराधा गुप्ता द्वारा निर्मित शैक्षिक आकांक्षा स्तर मापनी का प्रयोग किया गया और पाया गया कि उच्च आय वर्ग के बालक–बालिकाओं के मध्य उनकी शैक्षिक आकांक्षा स्तर में अन्तर है यह अन्तर .01 स्तर पर सार्थक पाया गया। उच्च एवं मध्य आय वर्ग के बालक–बालिकाओं की शैक्षिक आकांक्षा में प्राप्त अंतर का कारण लिंग भेद हो सकता है बालिकाओं की अपेक्षा बालक उच्च शैक्षिक आकांक्षा रखते हैं।

मूल शब्दः उच्च एवं मध्य आय वर्ग, बालक–बालिका, शैक्षिक आकांक्षा स्तर

प्रस्तावना
वर्तमान समय वैश्विक प्रतिद्वन्दिता एवं प्रतियोगिता का दौर है जिसके कारण प्रत्येक देश एक दूसरे से आगे निकल जाने की होड़ में लगे हुए हैं। प्रतिद्वंदिता के इस दौर में भारत भी पीछे नहीं है। स्वतन्त्रता की प्राप्ति के बाद भारत हर क्षेत्र में प्रगति करते हुए क्रमशः आगे बढ़ रहा है। परन्तु भारत में पद, प्रस्थिति, सामाजिक एवं आर्थिक स्तर पर विभिन्नता है। भारत में व्यक्तियों को उसकी आय के आधार पर तीन भिन्न–भिन्न वर्गो उच्च, मध्य एवं निम्न में वर्गीकृत किया गया है। उच्च आय वर्ग के शैक्षिक स्थिति बेहतर होती है, स्वयं पढ़े लिखे होने के कारण ये अपने बच्चों की शिक्षा पर अधिक ध्यान देते हैं। इनके बच्चों का शैक्षिक स्तर, जीवन शैली, रहन–सहन अन्य की अपेक्षा बेहतर होता है तथा इन्हें सभी प्रकार की सुख–सुविधाएँ प्राप्त होती हैं जिससे ये बच्चे अच्छे स्कूल में पढ़ते हैं तथा पढ़ाई पर अधिक ध्यान देते हैं और इस दिशा में इनकी शैक्षिक निष्पत्ति निश्चित ही श्रेष्ठ होती है और इस दिशा में और इस दिशा में इनकी शैक्षिक निष्पत्ति निश्चित ही श्रेष्ठ होती है और इस दिशा में इनके अभिभावक अधिकाधिक निवेश करते हैं ताकि बच्चों की शैक्षिक निष्पत्ति श्रेष्ठतम् हो सके। इस प्रकार सभी सुविधाओं से सम्पन्न उच्च आय वर्ग के बालक एवं बालिकाओं को मात्र अपनी पढ़ाई पर ही ध्यान केन्द्रित करना पड़ता है। उन्हें अधिकाधिक सुविधाएँ एवं समय उपलब्ध होता है जिससे वे कक्षा में तथा विद्यालय में पढ़ाई के साथ–साथ अन्य क्रिय कलापों में अग्रणी रहते हैं क्योंकि उन्हें घर पर भी पढ़ने के लिए उपयुक्त वातावरण उपलब्ध होता है तथा वे अन्य चिन्ताओं से मुक्त होते हैं और उन्हें अपने अभिभावकों से सही मार्गदर्शन मिलता रहता है।
जिनकी आय उच्च वर्ग से कम तथा निम्न वर्ग से अधिक होती है। उनकी सामाजिक, आर्थिक स्थिति मध्यम श्रेणी की होती है, वे अपनी पद प्रस्थिति के अनुसार समाज में अच्छे ढंग से अपना जीवन निर्वाह करते हैं तथा उनकी शैक्षिक स्थिति भी संतोष जनक होती है। मध्यम आय वर्ग के लोगों का शैक्षिक स्तर संतोषप्रद होता है। वे शिक्षा को मूल्य समझते हैं और जीवन में शिक्षा को उच्च स्थान देते हैं। परिवार के भरण–पोषण का दायित्व निभाने में सक्षम होते हैं अतएव इनके बच्चे भी उसी प्रकार की धारणा रखते हैं। इनके बच्चों को मध्यम श्रेणी की सुख–सुविधाऐं उपलब्ध होती है। एक तरफ जहां उच्च वर्ग के पास सुविधाओं की प्रचुरता होती हैं वहीं मध्यम आय वर्ग भी सुविधाओं से वंचित नहीं रहता है किन्तु सुविधाओं की प्रचुरता नहीं होती है। मध्यम आय वर्ग अपने बच्चों के चारित्रिक विकास एवं सामाजिक व्यवहार पर अधिक ध्यान देते हैं। मध्यम आय वर्ग के व्यक्तियों का घरेलू वातावरण शांत, सौहार्द्रपूर्ण तथा आवश्यकताओं का ध्यान में रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वाह करते हैं। इनका पारिवारिक जीवन सामंजस्य पूर्ण होता है।

शैक्षिक–आकांक्षा स्तर
आकांक्षा शब्द उस विशेष ऊँची इच्छा से तात्पर्य रखता है, जो किसी भी व्यक्ति को एक निश्चित सीमा तक लक्ष्य निर्धारण करने व उसके अनुरूप कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। यह एक आन्तरिक, व्यक्तिगत, सामाजिक प्रेरक है। शैक्षिक आकांक्षा स्तर से तात्पर्य शिक्षा प्राप्त करने की उच्चतम् इच्छा या व्यक्ति की उच्चतम् सीमा तक शिक्षा प्राप्त करने का स्तर से है। यह आकांक्षा स्तर उच्च भी हो सकता है तथा निम्न भी।
शैक्षिक आकांक्षा स्तर से तात्पर्य शिक्षा प्राप्त करने की उच्चतम् इच्छा या व्यक्ति भी उच्चतम् सीमा तक शिक्षा प्राप्त करने का स्तर से हैं। यह आकांक्षा स्तर उच्च भी हो सकता है तथा निम्न भी। शैक्षिक आकांक्षा स्तर एक व्यक्ति की उपलब्धि की गुणवत्ता के विषय में व्यक्तिगत लक्ष्य को दर्शाता है, जो कि वह अपने शारीरिक–मानसिक योग्यता, समान समूह एवं संसाधनों को ध्यान में रखते हुए प्राप्त करने की आशा करता है।

समस्या कथन
उच्च एवं मध्य आय वर्ग के बालक–बालिकाओं के शैक्षिक आकांक्षा स्तर का अध्ययन ।

शोध के उद्देश्य
- उच्च एवं मध्य आय वर्ग के बालक–बालिकाओं के शैक्षिक आकांक्षा स्तर का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पना
- उच्च एवं मध्य आय वर्ग के बालक–बालिकाओं के शैक्षिक आकांक्षा स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध विधि
प्रस्तुत अध्ययन में शोध विधि के रूप में केवल सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन के प्रतिदर्श के लिए वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के उच्च एवं मध्य आय वर्ग के बालक–बालिकाओं का चयन किया गया है।

शोध उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्त संकलन हेतु डॉ. वी.पी. शर्मा एवं डॉ. अनुराधा गुप्ता द्वारा निर्मित शैक्षिक आकांक्षा स्तर मापनी का प्रयोग किया गया है।

विश्लेषण एवं व्याख्या

शैक्षिक आकांक्षा स्तर के तुलनात्क अध्ययन हेतु विभिन्न वर्ग के बालक–बालिकाओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर का मापन किया गया। शैक्षिक आकांक्षा स्तर पर प्राप्त विभिन्न वर्ग के बालक–बालिकाओं के माध्य, मानक विचलन एवं 'टी' मूल्य का विस्तृत विवरण सारणी संख्या 1 में प्रदर्शित है।

तालिका 1

	समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	'टी' मूल्य	ज
बालक	उच्च आय वर्ग	50	40.90	12.25	5.37	.01 पर सार्थक
	मध्य आय वर्ग	128	31.83	5.80		
बालिका	उच्च आय वर्ग	50	33.40	7.40	4.06	.01 पर सार्थक
	मध्य आय वर्ग	137	35.81	10.65		
बालक एवं बालिका	उच्च आय वर्ग बालक	50	40.90	12.25	3.71	.01 पर सार्थक
	उच्च आय वर्ग बालिका	50	33.40	7.40		
	मध्य आय वर्ग बालक	128	31.18	5.80	7.56	.01 पर सार्थक
	मध्य आय वर्ग बालिका	137	39.04	10.65		

सारणी को देखने से ज्ञात होता है कि उच्च एवं मध्य आय वर्ग के बालकों के शैक्षिक आकांक्षा स्तर में सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ है जो .01 स्तर पर सार्थक है। बालिकाओं के समूह में उच्च एवं मध्य आय वर्ग की बालिकाओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर में सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ है यह अन्तर .01 स्तर पर पाया गया है। उच्च एवं मध्य आय वर्ग के बालकों के शैक्षिक आकांक्षा स्तर में सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ है। यह अन्तर .01 स्तर पर सार्थक है। अतः पूर्व निर्धारित परिकल्पना स्वीकार की जाती है। इसका कारण इन दोनों वर्गो के मध्य समीयता के कारण घर के वातावरण एवं समाज का प्रभाव शैक्षिक आकांक्षा पर पड़ता है।

इसी प्रकार बालिकाओं के समूह में उच्च एवं मध्य आय वर्ग की बालिकाओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर में अन्तर प्राप्त हुआ है इसका कारण यह हो सकता है कि दोनों वर्गो की पारिवारिक पृष्ठभूमि एक जैसी है अतः इसका प्रभाव शैक्षिक आकांक्षा स्तर पर पड़ रहा है।

उच्च आय वर्ग के बालक–बालिकाओं के मध्य उनकी शैक्षिक आकांक्षा स्तर में अन्तर प्राप्त हुआ है यह अन्तर .01 स्तर पर सार्थक पाया गया। उच्च एवं मध्य आय वर्ग के बालक–बालिकाओं की शैक्षिक आकांक्षा में प्राप्त अंतर का कारण लिंग भेद हो सकता है बालिकाओं की अपेक्षा बालक उच्च शैक्षिक आकांक्षा रखते हैं।

इस प्रकार पूर्व निर्मित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत हुई। शून्य परिकल्पना के अस्वीकृत होने पर वैकल्पिक स्वीकृत की जा सकती है कि विभिन्न आया वर्ग के बालक–बालिकाओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर में सार्थक अन्तर है।

बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। विभिन्न आय वर्ग के बालकों की शैक्षिक आकांक्षा स्तर का विस्तृत विवरण सारणी 2 में प्रदर्शित है।

तालिका 2: विभिन्न वर्ग के बालकों की शैक्षिक आकांक्षा स्तर की तुलना

क्र.सं.	शैक्षिक आकांक्षा स्तर	प्राप्तांक	उच्च आय वर्ग	मध्य आय वर्ग
1.	उच्च शै0 आ0 स्तर	54 से ऊपर	9	22
2.	औसत से अधिक	45–55	13	23
3.	औसत शै0 आ0 स्तर	30–44	21	64
4.	औसत से कम	20–29	7	19
5.	निम्न शै0 आ0 स्तर	20 से कम	00	00
		संख्या त्र 50		128

सारणी से स्पष्ट है कि उच्च शैक्षिक आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों की संख्या दोनों आय वर्ग में एक समान है। इसी प्रकार औसत शैक्षिक स्तर वाले बालकों का अनुपात तीनों वर्ग के समान है।

इसी प्रकार बालिकाओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। विभिन्न आय वर्ग की बालिकाओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर का विवरण सारणी संख्या 3 में प्रदर्शित है।

तालिका 3: विभिन्न वर्ग के बालकों की शैक्षिक आकांक्षा स्तर की तुलना

क्र.सं.	शैक्षिक आकांक्षा स्तर	प्राप्तांक	उच्च आय वर्ग	मध्य आय वर्ग
1.	उच्च शै0 आ0 स्तर	54 से ऊपर	07	11
2.	औसत से अधिक	45–55	04	24
3.	औसत शै0 आ0 स्तर	30–44	35	76
4.	औसत से कम	20–29	04	26
5.	निम्न शै0 आ0 स्तर	20 से कम	00	00
		संख्या त्र 53		137

सारणी से स्पष्ट है कि उच्च शैक्षिक आकांक्षा स्तर रखने वाले बालिकाओं की संख्या उच्च आय वर्ग में 07 तथा मध्य आय वर्ग में 11 है। उच्च एवं मध्य आय वर्ग में उच्च शैक्षिक आकांक्षा स्तर वाले बालिकाओं की अपेक्षा औसत शैक्षिक आकांक्षा स्तर वाली बालिकाओं की संख्या अधिक है। इससे स्पष्ट है कि दोनों समूहों में उच्च शैक्षिक आकांक्षा स्तर वाले बालिकाओं की अपेक्षा औसत शैक्षिक आकांक्षा स्तर वाले बालिकाओं का अनुपात समान है।

प्रस्तुत अध्ययन में प्राप्त परिणाम से यह स्पष्ट है कि बालक–बालिकाओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर पर उनके सामाजिक–आर्थिक प्रस्थिति, माता–पिता का शैक्षिक स्तर तथा अपने मित्र समूह का गहरा प्रभाव हे।

प्रस्तुत अध्ययन के परिणामों का समर्थन इन सभी के शोध साक्ष्यों द्वारा होती है। ''शैक्षिक आकांक्षा स्तर में वर्ग विभेद पाया गया'' रोजेन (1958), सेवेल, हैलर एवं स्ट्रास (1957), विनर एवं मारियन (1960), शाह, पटेल एवं सेवेल (1971)। आगे यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि बालक–बालिकाओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर को परिवार का समर्थन एवं माता–पिता का बार–बार दवाब डालना भी प्रभावित करता है (लैवर्न्ने 1981)। माता–पिता की शैक्षिक उपलब्धि से बालकों का शैक्षिक–आंकाक्षा स्तर प्रभावित होता है (मनी 1981)। डेविस एवं कैण्डल (1981) के अनुसार बच्चों के लिए माता–पिता की आकांक्षाएं बच्चों की उच्च शैक्षिक आकांक्षा के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ी ज्ञात हुई। ब्लूम, डेविस एवं हेंस (1965) ने भी इस औसत पर जोर दिया कि उच्च प्रस्थिति वाले बालकों की अपेक्षा निम्न सामाजिक वर्ग के छात्रों की शैक्षिक आकांक्षा निम्न होती है।

ग्रेवाल (1971) का शोध साक्ष्य इस तथ्य की पुष्टि करता है कि बालक एवं बालिकाओं की आकांक्षा स्तर में महत्वपूर्ण अन्तर है।

वेदी, एच. एस. (1982, पृ. 328–29) के अनुसार परिवार का आकार, शैक्षिक सुविधाएं एवं निम्न बहलाव की सुविधाएं शैक्षिक आकांक्षाओं को प्रभावित करती हैं।

मोहन्ती जी, (1972), पृ0 328–29) के अनुसार परिवार का आकार, शैक्षिक सुविधाएं एवं मन बहलाव की सुविधाऐं शैक्षिक आकांक्षाओं को प्रभावित करती है।

मुथैयया (1967) का शोध साक्ष्य इस तथ्य की पुष्टि करता है कि आकांक्षा स्तर परिपक्वता की प्रक्रिया के साथ–साथ आयु में बुद्धि से प्रभावित होता है।

तार पी. (1980) ने अपने शोध निष्कर्ष में पाया गया कि उच्च सामाजिक वर्ग एवं उच्च स्तरीय आकांक्षा में सकरात्मक सम्बन्ध था जबकि निम्न सामाजिक आर्थिक प्रस्थिति वाले छात्रों मे कुछ में ही यह आकांक्षा में अन्तर नहीं होता है – मुथैयया, बी. सी. (1960, पृ0 381–382), सिंह आर. पी. (1979, पृ0 422), मोहन्ती, जी (1972, पृ0 380), परवीन, नुजहत, (1999, पृ0 112)। विभिन्न वर्ग के बालक–बालिकाओं की शैक्षिक आकांक्षा पर माता–पिता की शिक्षा एवं आय का प्रभाव होता है तथा इनकी शैक्षिक आकांक्षा का स्तर समान होता है वर्मा, एम. (1966), ग्रेवाल, जे. एस. (1971), माथुर, टी. वी. (1970)।

इस प्रकार निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि परिवार की सामाजिक–आर्थिक प्रस्थिति, शैक्षिक सुविधाएं, माता–पिता की शिक्षा का स्तर, पारिवारिक पृष्ठभूमि तथा घरेलू वातावरण एवं मित्र समूह शैक्षिक आकांक्षा स्तर को प्रभावित करने वाले मुख्य कारक होते हैं। शैक्षिक आकांक्षा स्तर को घटाने एवं बढ़ाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

सन्दर्भ सूची

1. Aggarwal YP. “Statistical method concept, application and computations”; sterling publishers pvt. ltd New Delhi, 2000.
2. Sharma RA. Educational Research and Statistics, 2005.
3. Mangal SK. (II edition) Methodology of Educational Research.
4. Desai JP. The Joint Family in India: Sociological Bullentin,1955:5(2):105.
5. Kapadia KM. Marriage and Family in India: Bombay, Oxford University Press, 1958, 104.
6. कपिल, डा. एच. के.,सांख्यिकी के मूल तत्त्व, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
7. गिलफोर्ड, जे.पी., फन्डामेन्टल स्टैटिस्टिक्स इन साइकालॉजी एण्ड एजुकेशन, मैक्ग्राहिल बुक कम्पनी, 1982
8. कोहेन, लूविस तथा मैनियन, लारेंस , रिसर्च मेथड्स इन एजुकेशन, क्रूम हेल्म, लंदन 1980
9. पाण्डेय, डा. के. पी. ;2006 शैक्षिक अनुसन्धान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,